पीडब्ल्यूआर एक
पीआर नंबर 34961
वीमेन एक एमर्सफुर्त
संपादक– यह विज्ञप्ति आपको एशियानेट के साथ संपन्न हुई व्यवस्था के तहत प्रेषित की जा रही है ।
पीटीआई पर इसका कोई संपादकीय उत्तरदायित्व नहीं है ।
महिलाओं के सशक्तीकरण का सर्वव्यापी सच
एमर्सफुर्त, 11 जून, पीआरन्यूजवायर– एशियानेट ।
– ओइकोक्रेडिट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के सशक्तीकरण का अध्ययन कर आरंभिक नतीजे पेश किए हैं ।
ओइकोक्रेडिट में इस बात को अच्छी तरह जानना बेहद जरूरी है कि कैसे उन लोगों की दी जाने वाली निष्पक्ष वित्तीय सहायता उनके जीवन को प्रभावित करती है । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए अध्ययन के पहले चरण में चार देशों :बुल्गारिया, केन्या, पेरू और फिलीपींस : को लिया गया है । ओइकोक्रेडिट ने निष्पक्ष वित्तीय सहायता और महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रभाव की पडताल की है ।
मल्टीमीडिया समाचार विज्ञप्ति को देखने के लिए इस लिंक पर जाएं :
एचटीटीपी : डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट पीआरन्यूजवायर डाट काम, एमएनआर, ओइकोक्रेडिट, 38715
गहन साक्षात्कारों का इस्तेमाल करते हुए हमने पूछा कि हमारे माइक्रोफाइनेंस ग्राहकों के लिए महिला सशक्तीकरण के क्या मायने हैं । यह क्या है, यह कैसे काम करता है और यह किस तरह का दिखता है ?

क्या यह परिकल्पना उत्तर से प्रभावित है ? या फिर यह दक्षिण के छोटे उद्यमियों के लिए मूल रूप से प्रासंगिक है ?
महिलाओं का सशक्तीकरण और विकास ओइकोक्रेडिट द्वारा सामाजिक प्रदर्शन के नजदीकी मूल्यांकन करने का हिस्सा है । हम जीवन स्तर के आधार पर माइक्रोफाइनेंस का असली जीवन में प्रभाव देखना चाहते हैं : शिक्षा, स्वास्थ्य की उपलब्धता और सामान्य घरेलू स्तर पर इसका प्रभाव देखना ।
ओइकोक्रेडिट के बोर्ड अध्यक्ष शोभा आरोल ने कहा कि यह अध्ययन अपने क्षें स्तर पर कार्य करने के जरिये महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर संगठन का योगदान सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया पहला कदम है ।

डा. आरोल ने कहा, ''बुनियादी शिक्षा, आर्थिक और संपत्ति के अधिकार दिलाने के मामले में कमी का मतलब है कि विश्व के 70 प्रतिशत गरीब महिलाएं ही हैं । ये ऐसे समूह हैं जो हाशिये पर हैं, हिंसा के शिकार हैं और असुरक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाले हर शब्द के पर्याय हैं ।''
इस असमानता को देखते हुए लगता है एक भी महिला को गरीबी के दायरे से पहला कदम निकालने का कोई अवसर उपलब्ध नहीं है । हालांकि ओइकोक्रेडिट ने स्थायी विकास पाने और व्यक्ति, परिवार तथा सामाजिक स्तर पर गरीबी उन्मूलन के लिए मूलभत उपाय महिलाओं के सशक्तीकरण के तौर पर ही देखा है ।

इसके अलावा आर्थिक सशक्तीकरण से ही सामाजिक सशक्तीकरण होता है । क्रेडिट हासिल करने से महिलाओं में आत्मविश्वास, दक्षता, सम्मान आर सामाजिक पहचान का भाव जगता है ।
हालैंड के विकास मंत्री बर्ट कोएंडर्स ने कहा कि महिलाओं का सशक्तीकरण विकास का केंद्र बिंदु है ।
उन्होंने कहा, ''आर्थिक सशक्तीकरण और महिलाओं के अधिकार एक–दूसरे पर निर्भर हैं । प्रत्येक चीज एक दूसरे को बढावा देती है । उनकी आर्थिक कुशलता और योज्ञता का इस्तेमाल करते हुए हम दीर्घकालीन आर्थिक विकास के लिए एक ठोस नींव की स्थापना करेंगे और पुरुषों तथा महिलाओं के बीच समानता स्थापित करने में योगदान करेंगे । इसी दिशा में मैं काम कर रहा हूं । ओइकोक्रेडिट भी इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए काम कर रही है ।''
महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए ओइकोक्रेडिट के अध्ययन के पहले चरण के निष्कर्ष में नतीजे बताते हैं कि यह कोई मायने नहीं रखता कि आप कहां रहते हैं, आप क्या करते हैं, निष्पक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करने से महिलाओं का सशक्तीकरण महत्वपूर्ण परिणाम सामने आता है । माइक्रोफाइनेंस के संदर्भ में रिपोर्ट में महिलाओं के सशक्तीकरण का इस तरह से संक्षिप्त विवरण दिया गया है, ''महिलाओं की क्षमता के अनुरूप उनका विकास उन्हें विकल्प चुनने का मौका प्रदान करता है ।

सशक्तीकरण से महिलाएं आत्मविश्वासी बनती हैं और माइक्रोफाइनेंस की उपलब्धता का लाभ उठा पाती हैं ।'' हालांकि यह परिकल्पना एक गतिशील अवस्था में है, यह विश्वव्यापी सामाजिक और आर्थिक परिभाषा निरूपित करती है ।
विश्व में आर्थिक शंकाओं और अनिश्चितता के ऐसे नाजुक वक्त में गरीबी उन्मूलन तथा सशक्तीकरण के लिए माइक्रोफाइनेंस की वास्तविक भूमिका पर सवालों का जवाब देना बेहद कठिन है ।

महिलाओं के सशक्तीकरण पर किए गए अध्ययन के नतीजे 11 जून को आयोजित होने वाले ओइकोक्रेडिट के सम्मेलन ''इमपावरिंग वीमेन– द ओइकोक्रेडिट एक्सपेरियंस'' में पेश किए जाएंगे और इस पर चर्चा की जाएगी जिसमें 700 से ज्यादा लोगों की भीड जुटी होगी । ये परिणाम आने वाले वर्षों में आगामी केस स्टडी के आधार पर होंगे ।

प्रमुख तथ्य एवं आंकडे

– पूरी दुनिया में 1.4 अरब लोग गरीबी में जीते हैं : विश्व बैंक के आंकडे, 2008 :

– पूरी दुनिया में 3,552 माइक्रोफाइनेंस संस्थानों ने 154,825,825 ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाई है ।

– इन ग्राहकों में 83.4 प्रतिशत यानी 88,726,893 महिलाएं हैं ।

– विश्व के तकरीबन तीन अरब लोग बुनियादी वित्तीय सेवाएं हासिल करने से वंचित रहते हैं ।

– अपने परिवारों तथा अपने समुदायों को समर्थन के लिए जो महिलाएं खुद आय अर्जित करती हैं – उन्हें घर, साफ–सफाई सुविधाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और पौष्टिक भोजन प्रदान करने की व्यवस्था की जा रही है ।

– माइक्रो–क्रेडिट समिट कैंपेन रिपोर्ट 2009, 31 दिसंबर 2007 के मुताबिक

स्रोत : ओइकोक्रेडिट

पीआरन्यूजवायर– एशियानेट : रंजन